कौआ और गुदुपुचु

एगो गाछें एगो कौआ रह–हल। सेंई गाछेक हेठें एगो गुदुपुचु रानी (लाल पोका) रह–हली। एक दिन कौआक मनें लोभ भइ गेलइ। गुदुपुचु के खाइ खातिर मने–मन कुरचे लागल। गुदुपुचु रानिक नजीकें जाइ के कहलइ–गुदुपुचु रानी, तोरा हम खइबों।

कौआक खल मति सुइन के रानिक मनें भाभना भेलइ। कौआक चेंटे खातिर रानी एगो चाइल खेललीं– तोंय यदि हामरा खाइ खोजेहे तबे हामर बात सुन। "तोंय तो बाहर रकमेक जिनिस खइहें। तोर ठोंठ टा जूठा भइ गेल हो। जो आपन ठोंठ टा धोइ के अइबें, तकर बाद हमरा खाइहें।"

रानिक साल्हा सुइन कौआ राजी भइ गेल। मने–मन भाभल जे बेसे कह ही। काहे नॉइ हाम आपन ठोंठ टा धोइ केहीं ओकरा खइबइ तो बसे सवाद लागत्इ। एहे भाइब–गुइन के कौआ पानिक नजीक पहुँइच गले आर कहलइ–

देहुँ पनियाँ
धोवब ठोरवा
खाइब गुदुपुचु रनियाँ!

कौआक कथा सुइन पानी कहलइ – "कइसें देबो ? हामर ठीन तो कोन्हों जोगाड़ नखो। कुम्हार घार ले चुकरी आने पारबें तो पानी पइबें।"

रानिक साल्हा सुइन के कौआ सोझे कुम्हार घर बाटें सोझाइल आर पहुँइच के कहलइ –

कुम्हारा देहु चुकरी
भोरब पनियाँ
धोवब ठोरा
खाइब गुदुपुचु रनियाँ!

कौआक कथा सुइन के कुम्हारें कहलइ – "सुन कौआ! हमार ठीन माटी नखों जो कुकुरेक सींग ले माटी कोइड़ के लइ आनबे ओकर बाद चुकरी बनाइ देबो। सइ चुकरी पानी लइ जिबें आर आपन ठोरवा धोइकें गुदुपुचु रानि खइभी।

कुम्हारे बातें सइ कौआ कुकुर ठीन पोहंचल आर कहलइ –

कुकरा देहुं सिंगला

CamScanner
Scanned by TapScanner
CamScanner

कोड़ब मटिया
देबइ कुम्हाराक
देतइ चुकरी
भोरब पनियाँ
खाइब गुदुपुचु रनियाँ!

एतना सुइन के कुकरें कहलइ – "हाम बहुत दिन से भूखें हो। हामरा जदि दूध भात खिवे पारबें तबें हम आपन सींग देबो। जो गाय ठीन ले लूध लइ आनबे।"

कुकुरेक कथा सुइन कौआ गायेक खोजाइरें चलल। कुछ धुरेक बाद एगो बुढ़ी गाय देखे पाइल। लखन ओहे गइया ठीन जाइ के कहलइ –

गइया देहुँ दुधा
देबइ कुकराक
देतइ सिंगला
कोड़ब मटिया
देबइ कुम्हराक
देतइ चुकरी
भोरब पनियाँ
धोवब ठोरा
खाइब गुदुपुचु रनियाँ!

कौआक कथा सुइन के गायें कहली– बहुत दिन से भूखे हों। जदि तोय हमरों हरिहर घांस खिवे पारबें तबें भेले हाम दूध दिये पारबो।

गायेक कथा सुइन कौआ जहाँ खूभे हरिहर घांस रह–हलइ तहीं पोंहइच गेल आर कहलइ–

देहुं घांसा
देबइ गइयाक
देतिक दुधा
देबइ कुकराक
कोड़ब मटिया

CamScanner
Scanned by TapScanner
CamScanner

देबइ कुम्हराक
देतइ चुकरी
भोरब पनियाँ
धोवब ठोरा
खइबइ गुदुपुचु रनियाँ!

कौआक बात सुइन घांसे कहलइ – कइसें देबो? हामर ठीन काटइक जोगाड़ नखो। जो कामार घार ले हँसुआ लइ आन तब घांस दिए पारबो

कौआक मने त गुदुपुचु रानिक खाइक हुचुक चढ़ल हलइ, जे बुइधें हतइ से हे करब ताओ गुदुपुचु रानिक खाइ के रहब। तखन घांसेक कथा सइन के सइ कौआ कामार धार पोंहँइच गेल आर कामार से कहलइ –

कामरा देहुँ हँसुआ
काटब घांसा
देबइ गइयाक
घर घरना देतइ सिंगला
कोड़ब मटिया
देबइ कुम्हराक
देतइ चुइयाँ
भोरब पनियाँ
धोवब ठोरा
खइबइ गुदुपुचु रनियाँ

कौआ एके गो बातेक रट लागाइ देलइ। तखन कामार सइ लालचाहा कौआक मनेक बात जाइन ओकराँ लालचेक फल दिएइ। बुइध रॉचल आर कहलइ– सुन कौआ! हँसुआ दू रकमेक हवइ गरमां–गरम आर नरमा–नरम। कोन टा तोरा बनाइ देबो। लाल–लाल पारस फूल नियर गुदुपुचु रानिक खाइ खातिर कौआक त छावांइद भइ गेल हलइ से ले कहलइ– "गरमा–गरम बनाइ दे।"

कौआक बात सुइन के कामार मने–मन हाँसल आर कहलइ– "ठीक हइ बइस एखनी बनाइदेबो। एखन कामार चाँड़ा चाड़ी एगो हँसला तातल–तातल बनाइ के कौआक आगुँइ राइख देलइ आर कहलइ–हँसुआ बइन गेलो।"

CamScanner
Scanned by TapScanner
CamScanner

एतना सुनबाइ आर कौआ दौड़ा–दौड़ी जाइके जइसीं हंसुआ ठोर मारल हइ तइसीं ओकर ठोठ हदइक उठल हइ। ओकर ठोंठ त पोइड़ गेलइ आब गुदुपुचु रानिक कि खइतइ ?

कौआ छटपटइले हुआँ से भागल आर दरदेक मारी हिन्दे–हुन्दे घुरहते रहल। सांइझ भेलइ तखन सइ गाछेक डारीं आइ के डरडरान भाभं बइसल।

कौआक दुरदासा देइख के गुदुपुचु रानी कहलइ – कि भेलो कौआ? आपन ठोर धोइ के अइलें?" कौआ रानिक बात सुइन के मनें–मन लजाइ गेल आर दोसर बाट मुँह कइर के काँव–काँव करे लागल। हिन्दु गुदुपुचु रानी ओकर करनी टाक देइख के बइजइक उठली– रे लालचाहा! देखल्ही आपन लोभेक फल।"

बाभन और भूत

एगो भिखमंगवा पांडे रह–हल। ओकर नाम मनगोविन्द पांडे रहय। लेकिन ऊ पांड़े कतनों माँगे ताव ओकर पेट नी भोरं। एक घार मांगे ताउ एके सेर आर दस घर मांगे ताउ एके सेर। एक दिन पांड़े पड़ियाइन लड़ला तब पांड़े के खायेंहे ले नी दिइयें लागलइ।

रूइस के पांडे आपन घार ले बाहराइ गेल। बिन खइले–पीले चलेहें लागल। चलते–चलते ऊ थकी गेल, तब एगो बगइचा में एगो गाछेक हेंठे बइस गेल आर सोचे लागल कि आइझ राइत हियें सुइत जाब। भूख लागत तखन दू गो आम बिछी के खाइ लेब। आर फइर सुतब। बिहाने जाब। एखन तो हाम चले हे नी पारब। आम खाइल आर सुतल। आधा राइत हेते ओकरा पियास लागलइ तब ऊ गाढ़ा बाटे जाय लागल–पानी पियेले कि अचक्के एक ठिन आइग हदकास देखलइ। तखन ओकर गात सिंहरलद सोचल कि ई तो भूतें आइग जोरे लागल हलथि! बाबा हो आब हाम कहाँ जाइब। एहे तरी सोचंल नाइ पनिया पीके अगिया तापबइ। एकर बाद पांड़े अगिया हुआ चली गेल आर कहलइन कि अरे भाइ ओते हेवा तापे दे।

ओखिन घसकला आर पांडे के अगिया तापे दिये लागला। मुदा ओखिन दुइयों काना फूसी हेवे लागला कि – ई हामिनकेर नाम कइसे जानल? तखने पंडेवा कहलइ कइसें नी जानबो। तोहिन के बिहा हेव हलोन तखन तोर बाप हामर से चाइर काठ धान लानल हल। मुदा ऊ नी धुरावले हे से हाम आइझ माँगे आइल हियोन।

--

CamScanner

Scanned by TapScanner

CamScanner